समाज और संत के बीच लोक कल्याण हेतु सेतु बननेवाला महापुण्य का भागी होता है ।

संत श्री आशारामजी आश्रम द्वारा प्रकाशित

मूल्य : ₹ ४.५०

# लोक कल्याण सेतु

रजि. समाचार पत्र

• प्रकाशन दिनांक : १५ मार्च २०२४ • वर्ष : २७ • अंक : ९ (निरंतर अंक : ३२१) • भाषा : हिन्दी • पृष्ठ संख्या : २० (आवरण पृष्ठ सहित)

# करोड़ों हृदयों की पुकार

# बापूजी की हो रिहाई व अनुकूल उपचार

''जब सजायाफ्ता कैदियों को सरकार द्वारा छोड़ा जाता है तो गलत तरीके से फँसाये गये और शारीरिक रूप से अस्वस्थ ८६ वर्षीय संत आशाराम बापू को पहले रिहा करना चाहिए ।''

– भारत के पूर्व कानून एवं न्यायमंत्री सुब्रमण्यम स्वामी

# हरिभूमि

## संत आशाराम बापू की रिहाई की मांग करते सड़क पर आई महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

महिला उत्थान मंडल व श्री योग वेदांत सेवा समिति राजनांदगांव द्वारा संत आशारामजी बापू की रिहाई को लेकर विशाल आमसभा व भव्य यात्रा का आयोजन



## संत आसाराम के समर्थन में आजाद मैदान में उमड़ा जनसैलाब

### आतंकियों को बिरयानी खिला सकते हो तो संत को चिकित्सा सुविधा क्यों नहीं ?

सुपर फास्ट टाइम्स
मुंबई:जोधपुर जेल में बंद संत आसाराम बापू के समर्थन में उनके हजारों भक्तों ने आजाद मैदान में प्रदर्शन कर अपना विरोध प्रकट किया. इस प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित भक्तों ने सरकार पर गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि आयोजित प्रदर्शन आसाराम बापू आश्रम की राष्ट्रीय प्रवक्ता नीलम दुबे ने कहा कि वर्ष 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कैदी को खराब स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत देने में उदारता बरती जानी चाहिए। व्यक्ति का सेहत ठीक रहे यह सबसे जरूरी



## आशाराम बापू को करें रिहा, ताकि कर सके वो अपना इलाज

प्रतिनिधि/वि.२
अमरावती- ८६ वर्षीय आसाराम बापू किनत १० वर्षों से जेल में बंद हैं, वे निर्दोष रहने के बावजूद भी जेल में सजा काट रहे हैं. उन्हें जल्द रिहा किया जाए, ताकि वे अपना उपचार करा सकें.

## संत श्री आशारामजी बापू की शीघ्र रिहाई की उठी मांग

### राष्ट्रपति के नाम सौंपा कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, श्री योग वेदांत सेवा समिति के सैकड़ों साधकों ने निकाली न्याय यात्रा



## ब्रीफ न्यूज

### आशाराम बापू को इलाज के लिए जल्द मिले पैरोल, मुख्यमंत्री व राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

शिमला, 3 मार्च (ब्यूरो): आशाराम बापू को उनकी इच्छानुसार उचित इलाज के लिए जल्द से जल्द पैरोल मिलनी चाहिए। पिछले 12 वर्षों से बा...

## 44 करोड़ साधकों के संवैधानिक अधिकारों के हनन रोकने ज्ञापन

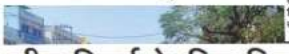

छिंदवाड़ा दलसागर।. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय नारी रक्षा मंच के तत्वावधान

## संत आशाराम बापू की शीघ्र रिहाई के लिए निकाली संस्कृति रक्षा यात्रा व डीसी को सौंपा ज्ञापन



पानीपत। 8 मार्च विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में पानीपत में विश... निकाली गई, जिसमें सैकड़ो की संख्या में मौजूद लोगों का एक ही... करो बापूजी को रिहा कर... होती हुई लघु सचिवालय...

## आशारामजी बापू की हालत गम्भीर, इच्छानुरूप चिकित्सा उपलब्ध करवाने की मांग

द साध्यदीप न्यूज

श्रीगंगानगर। योग वेदांत सेवा समिति, श्रीगंगानगर द्वारा बृहस्पतिवार को जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री भारत सरकार तथा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार व मुख्यमंत्री गुजरात सरकार को ज्ञापन भेजकर संत आशारामजी बापू की शीघ्र अतिशीघ्र रिहाई व उन्हें दर्द की तकलीफ थी, लेकिन खाड़े में भर्ती



हर खबर पर पैनी नज़र
**NAYA ANDAZ NEWS**
विश्वसनीय खबरे, हमेशा सच के साथ

## आसाराम बापू की रिहाई की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

## आसाराम बापू के इलाज और रिहाई के लिए पुणे में अनशन

आयोजन श्री योग वेदांत सेवा समिति द्वारा किया गया

आसाराम बापू के लिए अनशन

पुणे, ७ मार्च : जोधपुर जेल में बंद आसाराम बापू की हालत गंभीर है



# दैनिक भास्कर

**निकाली यात्रा** • आसाराम बापू के निर्दोष होने के नारे लगाए, महिलाओं की भी उपस्थिति रही

## आसाराम बापू को रिहा करने की मांग, सड़क पर उतरे लोग

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

आसाराम बापू को रिहा करने की मांग को लेकर रविवार को शहर में एक विशाल यात्रा निकाली गई। संतो का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान के नारे लगाते हुए महिला उत्थान मंडल व श्री योग वेदांत सेवा समिति द्वारा विशाल आम सभा व यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं साधकों की उपस्थिति रही उन्होंने कहा कि संस्कृति रक्षक संत आसाराम बापू को रिहा करना होगा। संस्कृति रक्षा यात्रा की शुरुआत महावीर चौक से कर शहर में समाप्त... सभा



राजनांदगांव. आसाराम बापू को रिहा करने की मांग को लेकर यात्रा निकाली।

सर्वोच्च न्यायालय, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व गृहमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। महिला उत्थान मंडल की महिलाओं ने कहा 11 वर्षों... जोध... निर्दो...

छत्तीसगढ़ कब्बड़ी संघ व किसान नेता अशोक

# समवाद

# तरुण भारत

## आसाराम बापूंच्या समर्थनार्थ सकल हिंदू समाज रस्त्यावर

श्रीशिवप्रतिष्ठान, हिंदुराष्ट्र सेना, श्रीराम जन्मोत्सव समिती, सनातन संस्था, हिंदुजागरण मंच, अखिल भाविक वारकरी मंडळ, हिंदू महासभा, ओम् साई प्रतिष्ठान, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल यांनी व या सारख्या अनेक संघटनांनी या मध्ये सहभाग घेतला. या पदयात्रेत अखिल भाविक वा. मंडळ राष्ट्रीय अध्यक्ष हभप संघाकर

## संत श्री आशाराम बापू की जेल से शीघ्र रिहाई की बैतूल से उठी मांग

### राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



## ଆଶାରାମଜୀ ବାପୁଙ୍କର ଅବସ୍ଥା ଗମ୍ଭୀର

## ଇଚ୍ଛାନୁରୂପ ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ ଦାବି ଜଣାଇଲେ ଯୋଗ ବେଦାନ୍ତ ସମିତି

ଭୁବନେଶ୍ୱର, (ସବ୍ୟୁ): ଶ୍ରୀ ଯୋଗ ବେଦାନ୍ତ ସମିତି ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ସହ ଆଶାରାମଜୀ ବାପୁଙ୍କୁ ତାଙ୍କର ଇଚ୍ଛା ଅନୁସାରେ ଚିକିତ୍ସା ସୁବିଧା ଉପଲବ୍ଧ କରିବା ନିମନ୍ତେ ଏବଂ ଶୀଘ୍ର ମୁକ୍ତି ନିମନ୍ତେ ଜ୍ଞାପନ ପ୍ରଦାନ। ଏହି ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଯୋଗ ବେଦାନ୍ତ ସେବା ସମିତିର ପ୍ରବକ୍ତା ଶୈଳେନ୍ଦ୍ର ନାରାୟଣ ... ରକ୍ତସ୍ରାବ ହେଉଛି ଏଥିପାଇଁ ତାଙ୍କର ହେମୋଗ୍ଲୋବିନ୍‌ର



## आशारामजी बापू को इच्छानुरूप चिकित्सा उपलब्ध कराने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



# दैनिक नवज्योति

## Bapu Asharam's condition serious, demand for treatment as per wish



## संत आसाराम बापू की रिहाई व उचित इलाज के लिए सौंपा ज्ञापन

नवज्योति/बाड़मेर।
संत आसाराम बापू द्वारा प्रेरित श्री योग वेदांत सेवा समिति, महिला उत्थान मण्डल व युवा सेवा संघ द्वारा बुधवार को संत आसाराम बापू को उनकी इच्छा अनुसार



## आशाराम बापू की रिहाई और उनकी इच्छानुसार इलाज कराने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता
मेरठ। श्री योग वेदांत सेवा समिति के पदाधिकारियों और साधकों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा। साधकों का कहना था कि निर्दोष संत आशारामजी बापू को उनकी इच्छा अनुसार चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और उन्हें अतिशीघ्र रिहाई दी जाए। इस संबंध में समिति के प्रवक्ता सुजीत ने बताया कि झूठे आरोपों के तहत



# ସମ୍ବାଦ

## ଆଶାରାମ ବାପୁଙ୍କୁ ଚିକିତ୍ସା ସେବା ଯୋଗାଇବାକୁ ଦାବି

रजि. समाचार पत्र

# लोक कल्याण सेतु

(हिन्दी, गुजराती, मराठी व ओड़िया भाषाओं में प्रकाशित)

वर्ष : २७ अंक : ९ (निरंतर अंक : ३२१)
प्रकाशन दिनांक : १५ मार्च २०२४ मूल्य : ₹ ४.५०
पृष्ठ संख्या : ३० (आवरण पृष्ठ सहित) भाषा : हिन्दी

सम्पर्क पता :
'लोक कल्याण सेतु' कार्यालय, संत श्री आशारामजी आश्रम, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-५ (गुज.)
फोन : (०७९) ६१२१०७३९

सदस्यता शुल्क :

| भारत में : | | विदेशों में : | |
|---|---|---|---|
| (१) वार्षिक : | ₹४५ | (१) पंचवार्षिक : | US $५० |
| (२) द्विवार्षिक : | ₹८० | (२) आजीवन : | US $१२५ |
| (३) पंचवार्षिक : | ₹१९५ | | |
| (४) आजीवन : | ₹४७५ | | |

**❊ विभिन्न चैनलों पर पूज्य बापूजी का सत्संग ❊**

| अनादि | DIGIANA DIVYA JYOTI | | सेवाकार्य भी | |
|---|---|---|---|---|
| रोज सुबह ६:३० व रात्रि ११ बजे | रोज रात्रि १० बजे | Asharamji Bapu | Asharamji Ashram | Mangalmay Digital |
| | | यूट्यूब चैनल्स | | |

❊ 'अनादि' चैनल टाटा स्काई/प्ले (चैनल नं. ११७०) व म.प्र., छ.ग., उ.खं. के विभिन्न केबलों पर उपलब्ध है।
❊ 'डिजियाना दिव्य ज्योति' चैनल मध्य प्रदेश में 'डिजियाना' केबल (चैनल नं. १०९) पर उपलब्ध है।

लोक कल्याण सेतु ई-मैगजीन के रूप में भी पढ सकते है। ई-मैगजीन अथवा हार्ड कॉपी के सदस्य बनने के लिए क्लीक करो...
www.lokkalyansetu.org

**❁ लोक कल्याण सेतु रुद्राक्ष मनका योजना : ❁**

पूज्य बापूजी के करकमलों से स्पर्शित रुद्राक्ष मनका या जप-माला प्राप्त करने का स्वर्णिम अवसर !...सभी साधक एवं सेवाधारी 'लोक कल्याण सेतु' की इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

## इस अंक में...

● रैलियों, धरना-प्रदर्शनों आदि द्वारा समाज उतरा सड़कों पर...

**कवर स्टोरी** बापूजी को यथानुकूल उपचार मिले व उनकी ससम्मान त्वरित रिहाई हो इस माँग को लेकर महिला उत्थान मंडल व साधकों के साथ विभिन्न नारी संगठन, समाजसेवी, धार्मिक संगठन, संस्कृतिप्रेमी लोग सड़कों पर उतर आये हैं... ११

● अपने जन्म-कर्म को दिव्य कैसे बनायें ?.....४
● जब हनुमानजी पर छलक पड़े श्रीरामजी..... ७
● बापूजी की रिहाई अविलम्ब होनी चाहिए - धर्मेन्द्र गुप्ता..... ९
● ऐसी स्थिति में बापूजी के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा होनी ही चाहिए - पत्रकार शिवनारायण जांगड़ा.....१४
● कैसे नष्ट हो गया था वल्लभीपुर ?.....१६
● मोक्षप्राप्ति का साक्षात् साधन - स्वामी अखंडानंदजी.....१८
● तलाक के ज्यादातर मामलों का कारण है प्रेम-विवाह : न्यायालय.....१९
● गर्मी या पित्त संबंधी समस्याओं का बेजोड़ उपाय : सफेद पेठा.....२१
● जो डॉक्टर न कर सके वह छोटे-से प्रयोग ने कर दिखाया.....२३
● जनसमाज प्रकट कर रहा पूज्य बापूजी का आभार..... २४
● संत अपमान से उजड़ा गाँव, जान-माल की हुई भारी तबाही..... २७
● विद्यालयों में पढ़ायी जायेगी गीता - सचिन शेरे.....२८

स्वामी : संत श्री आशारामजी आश्रम | प्रकाशक और मुद्रक : राकेशसिंह आर. चंदेल | प्रकाशन-स्थल : संत श्री आशारामजी आश्रम, मोटेरा, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात) | मुद्रण-स्थल : हरि ॐ मैन्युफेक्चरर्स, कुंजा मतरालियों, पौंटा साहिब, सिरमौर, (हि.प्र.) -१७३०२५ | सम्पादक : रणवीर सिंह चौधरी

Email: lokkalyansetu@ashram.org, ashramindia@ashram.org Website: www.lokkalyansetu.org, www.ashram.org

# अपने जन्म-कर्म को दिव्य कैसे बनायें ?

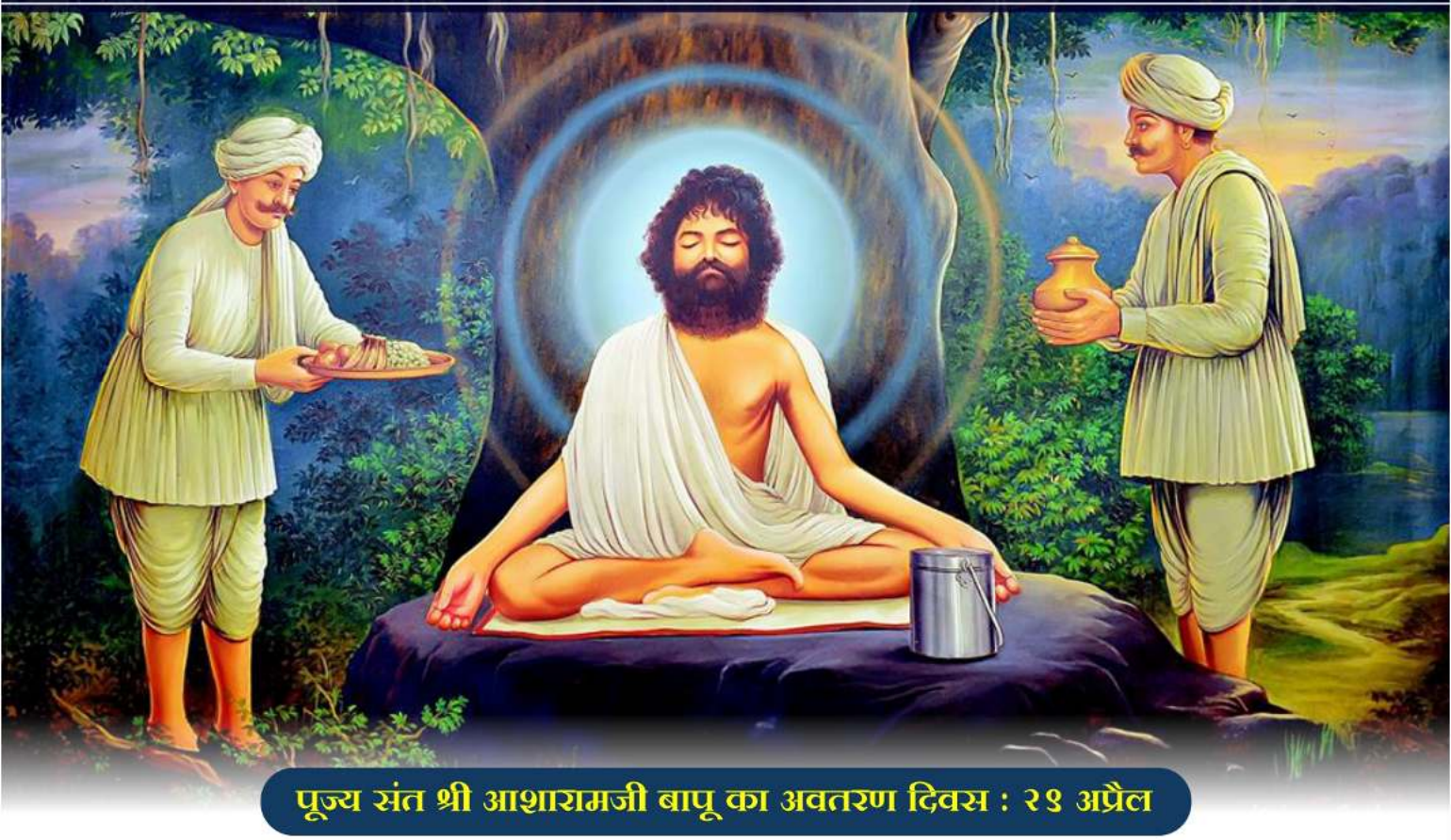

**पूज्य संत श्री आशारामजी बापू का अवतरण दिवस : २९ अप्रैल**

२९ अप्रैल को पूज्य संत श्री आशारामजी बापू का अवतरण दिवस है। आप सभीको इस दिन की खूब-खूब बधाई ! इस पावन पर्व पर जानते हैं जन्म-कर्म को दिव्य बनाने का रहस्य पूज्य बापूजी के सत्संग-वचनामृत से :

मन में दुःखीपने का भाव आया उस समय दुःख का जन्म हुआ। सुखीपने का भाव आया तो सुख का जन्म हुआ। 'मैं बालक हूँ' भाव आया तो बालकपने का जन्म हुआ। 'मैं वृद्ध हूँ' भाव आया तो वृद्धत्व का जन्म हुआ परंतु मैं तो इन सबको जाननेवाला हूँ।

असंगो ह्ययं पुरुषः... 'मैं सब परिस्थितियों से असंग, ज्ञानस्वरूप, प्रकाशमात्र, चैतन्यस्वरूप, आनंदस्वरूप हूँ...' इस प्रकार भगवान अपने स्वतःस्फुरित, स्वतःसिद्ध स्वभाव को जानते हैं। ऐसे ही आप भी अपने स्वतःसिद्ध स्वभाव को जान लें तो आपका जन्म और कर्म दिव्य हो जायेंगे।

शरीर को मैं मानना और शरीर की अवस्था को मेरी मानना यह जन्म है। हाथ-पैर, इन्द्रियों से कर्म होता है, उसमें कर्तृत्व मानना कर्म है। 'कर रहे हैं हाथ-पैर और मैं इनको सत्ता देनेवाला चैतन्य हूँ' - इस प्रकार यदि जान लिया तो कर्म और जन्म दिव्य हो जाते हैं।

वास्तव में उत्तम साधक तो जानता है कि हाथ-पैर काम करते हैं, आँख देखती है, मन सोचता है, बुद्धि निर्णय करती है - इन सबमें बदलाहट होती है। देश (स्थान-विशेष) में बदलाहट होती है। अभी हम यहाँ बैठे हैं, थोड़ी देर के बाद और जगह बैठेंगे। अभी १२ बजकर ५१ मिनट हुए हैं तो १२:५० भूतकाल हो गया और १२:५५ भविष्यकाल में है। काल को भी हमारा ज्ञानस्वभाव देखता है। हम देश से भी परे हैं, काल

२३ अप्रैल

श्री हनुमानजी के प्राकट्य दिवस पर विशेष

# जब हनुमानजी पर छलक पड़े श्रीरामजी

**भगवान श्रीरामजी हनुमानजी पर प्रसन्न हो गये। श्रीरामजी कहते हैं : ''हनुमान ! और तो मेरे पास क्या है जो तुमको दूँ, तुमने जो कार्य किये हैं, जो सेवा की है और जिस प्रकार तुम तत्पर रहे हो उसका क्या बदला चुकाऊँ ? मेरी इन्द्रियाँ भी मेरी सेवा इतनी नहीं कर पायीं, मेरा शरीर भी मेरी इतनी सेवा नहीं कर पाया जितना तुम कर पाये। आ जाओ, तुमको मैं अपना हृदय दे देता हूँ।''**

२३ अप्रैल (चैत्र मास की पूर्णिमा) को श्री हनुमानजी का प्राकट्य दिवस है। हनुमानजी अद्भुत शक्ति, निष्ठा और भक्ति के प्रतीक हैं। यह दिवस न केवल भक्ति की महिमा को चिह्नित करता है बल्कि आध्यात्मिक जागृति और आत्मसाक्षात्कार के महत्त्वपूर्ण पहलुओं को भी सामने लाता है। हनुमानजी का पावन चरित्र, उनकी सेवानिष्ठा और अपने स्वामी के प्रति बिनशर्ती शरणागति हमें उच्च दृष्टिकोण विकसित करने तथा आध्यात्मिक पथ पर चलने की रीत सिखाते हैं। पूज्य बापूजी के सत्संग-वचनामृत में आता है :

भगवान श्रीरामजी हनुमानजी पर प्रसन्न हो गये। श्रीरामजी कहते हैं : ''हनुमान ! और तो मेरे पास क्या है जो तुमको दूँ, तुमने जो कार्य किये हैं, जो सेवा की है और जिस प्रकार तुम तत्पर रहे हो उसका क्या बदला चुकाऊँ ? मेरी इन्द्रियाँ भी मेरी सेवा इतनी नहीं कर पायीं, मेरा

# बापूजी की रिहाई

## अविलम्ब होनी चाहिए

"आशारामजी बापू को एक साजिश के तहत जेल में रखा गया है। उनकी अविलम्ब रिहाई होनी चाहिए। उनके स्वास्थ्य के अनुकूल आयुर्वेदिक उपचार की व्यवस्था की जाय, यह सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है..."

### आचार्य कौशिकजी महाराज :

पूज्य आशाराम बापूजी इंसान नहीं, सच मानिये भगवान हैं, जिन्होंने धरती के लिए इतना बड़ा काम किया, लोगों को जीना सिखाया है ! कितने लोगों की जिंदगी बदल दी ! जब-जब इस देश में संत-महापुरुषों को सताया गया तब-तब इस देश को भोगना पड़ा। इसीलिए महापुरुषों का तो सदैव आदर-मान होना चाहिए।

यह मैं लीपा-पोती वाली बात नहीं कर रहा हूँ, सच वही है जो यहाँ से बोला जा रहा है। ये अवतारी महापुरुष हैं, जिन्होंने इस देश को बहुत कुछ दिया है।

---

### श्री गोपालकृष्णजी महाराज, राजस्थान :

जो संत-महात्मा गीता, गंगा, गाय, गुरु-तत्त्व की महिमा का प्रचार करते थे, गुरुभक्ति जगाकर लोगों के जीवन में महान उन्नतिकारक परिवर्तन लाते थे उनको आज जेल में डाला गया है, जैसे - हमारे आशारामजी महाराज। उनको मुक्त करना चाहिए। जो भ्रष्टाचारी, अत्याचारी, घूसखोर, राष्ट्र-विरोधी हैं वे बाहर हैं और संत अंदर हैं। हम सभीसे यही प्रार्थना करते हैं कि बापूजी को जल्दी-से-जल्दी कारागार से बाहर लाने हेतु सभी प्रयास करें।

## गर्मी या पित्त संबंधी समस्याओं का बेजोड़ उपाय

# सफेद पेठा

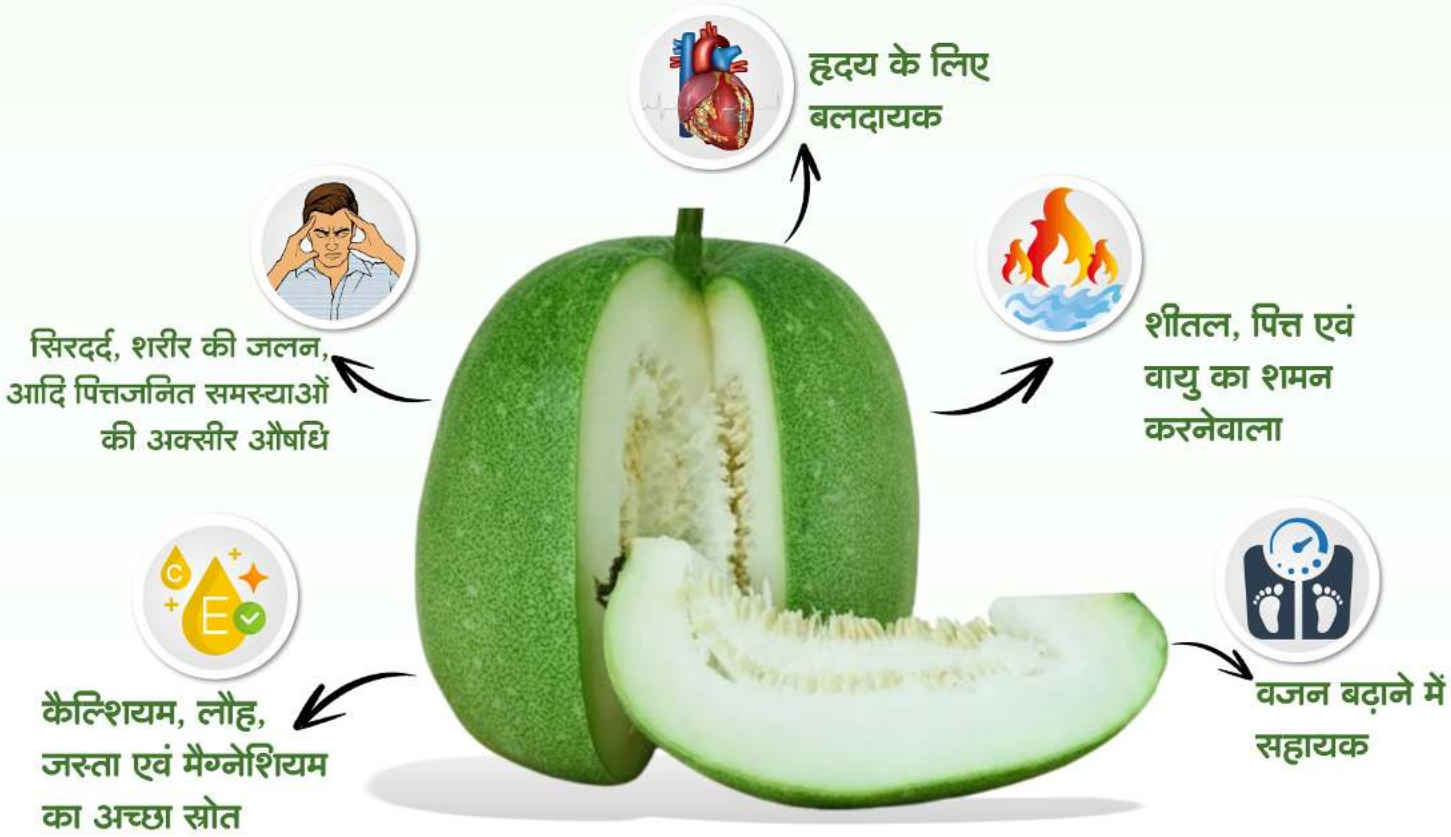


**आधुनिक अनुसंधानों के अनुसार यह कैल्शियम, लौह, जस्ता एवं मैग्नेशियम का अच्छा स्रोत है। इसमें निहित एंटी ऑक्सीडेंट मधुमेह (diabetes), उच्च रक्तचाप (High B.P.), कैंसर आदि रोगों से सुरक्षा करने में सहायक है। क्षयरोग (T.B.) में इसके सेवन से फेफड़ों के घाव भर जाते हैं तथा खाँसी के साथ रक्त निकलना बंद हो जाता है।**

---

सफेद पेठा (भूरा कुम्हड़ा) आयुर्वेद के अनुसार अत्यंत लाभदायी फल, सब्जी तथा अनेकों रोगों में उपयोगी औषधि है। इसका पका फल सर्व दोषों को हरनेवाला है।

यह शीतल, पित्त एवं वायु का शमन करनेवाला, शरीर-पुष्टिकर, वजन बढ़ाने में सहायक एवं वीर्यवर्धक है। यह बुद्धि व मेधा शक्ति वर्धक है तथा हृदय के लिए बलदायक है। इसके सेवन से नींद अच्छी आती है। इसके बीज कृमिनाशक हैं।

अम्लपित्त (hyperacidity), शरीर की जलन, सिरदर्द, नकसीर (नाक से खून आना), खूनी बवासीर, मूत्र की रुकावट एवं जलन, नींद की कमी, प्यास की अधिकता, श्वेतप्रदर एवं

मातृ-पितृ पूजन दिवस का अनुपम दिया उपहार

## जनसमाज प्रकट कर रहा

# पूज्य बापूजी का आभार

**लोक कल्याण सेतु प्रतिनिधि ।** बाल व युवा पीढ़ी को दुश्चरित्रता की ओर ले जानेवाली 'वेलेंटाइन डे'रूपी पाश्चात्य कुप्रथा से संरक्षित करने हेतु विश्वहितैषी पूज्य संत श्री आशारामजी बापू द्वारा शुरू किया गया 'मातृ-पितृ पूजन दिवस' का प्रकल्प वर्ष-प्रति-वर्ष व्यापक होता जा रहा है।

१४ फरवरी से करीब १ माह पहले से ही इसकी पदचाप सुनाई देने लगी थी। सेवाभावी साधकों व संस्कृतिप्रेमियों द्वारा विद्यालयों-महाविद्यालयों, सोसायटियों आदि स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्मों के लोगों की बढ़-चढ़कर सहभागिता देखने को मिली।

इनमें ईश्वरीय भाव से किये जानेवाले माता-पिता के पूजन के हृदयस्पर्शी दृश्य और भावी पीढ़ी को सही दिशा देने की पूज्य बापूजी की दूरदर्शिता सभीको भावविभोर कर देते थे और लोगों के हृदय में इसके प्रणेता पूज्य बापूजी के प्रति कृतज्ञता के भाव उमड़ पड़ते थे।

१४ फरवरी को देश-विदेश के संत श्री आशारामजी आश्रमों व गुरुकुलों के अलावा विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम हुए। सिंगापुर, यू.के., अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल आदि २०० देशों में इस पवित्र प्रेम दिवस की सुवास फैली। नामी-गिरामी हस्तियों, अधिकारियों, विभिन्न संगठनों के अगुआओं आदि ने भी विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर इन कार्यक्रमों की खूब-खूब सराहना की। एक झलक :

# ईश्वर व गुरु के कार्य में मतभेदों को आग लगाओ

- पूज्य बापूजी

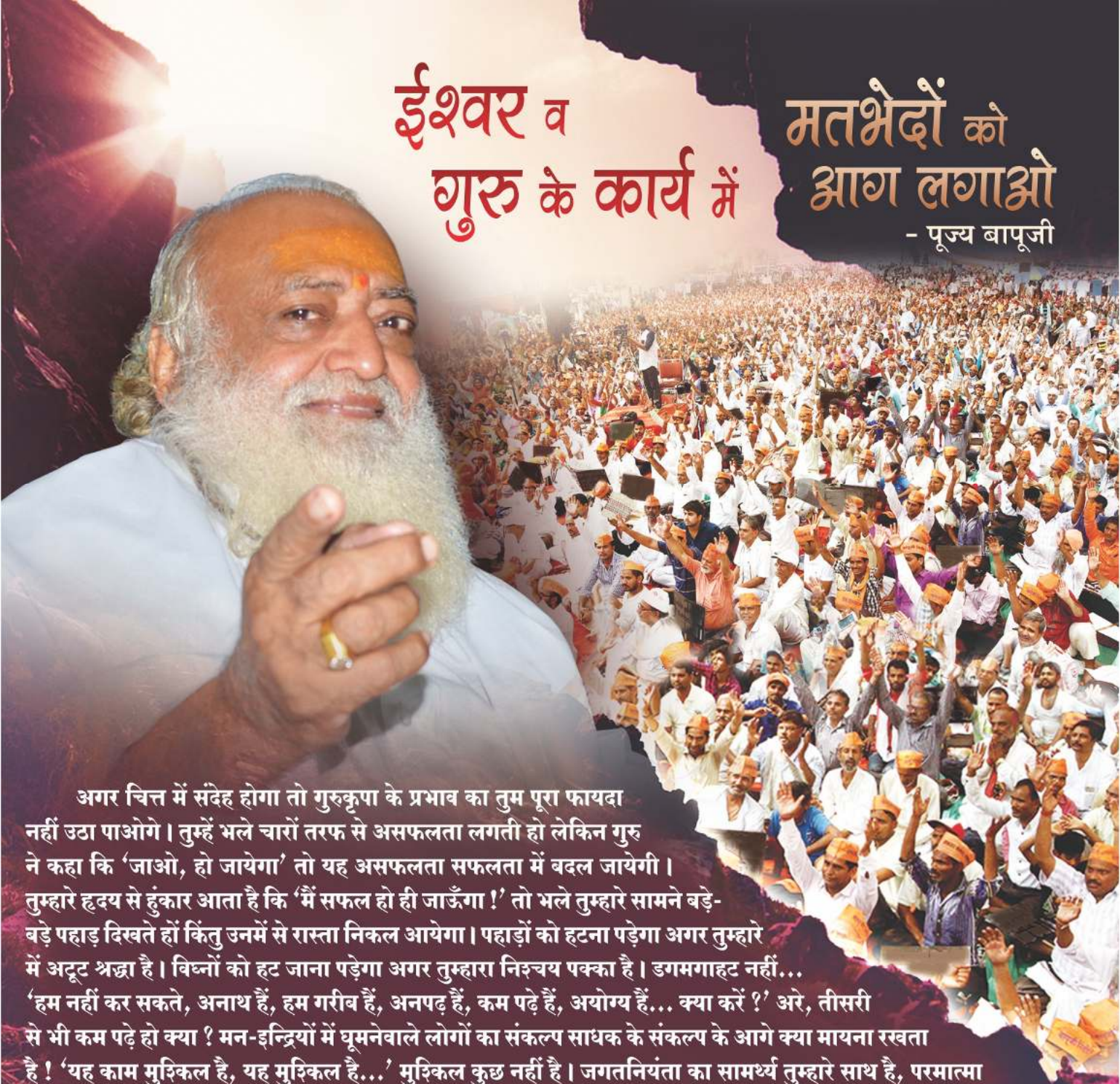

अगर चित्त में संदेह होगा तो गुरुकृपा के प्रभाव का तुम पूरा फायदा नहीं उठा पाओगे। तुम्हें भले चारों तरफ से असफलता लगती हो लेकिन गुरु ने कहा कि 'जाओ, हो जायेगा' तो यह असफलता सफलता में बदल जायेगी। तुम्हारे हृदय से हुंकार आता है कि 'मैं सफल हो ही जाऊँगा!' तो भले तुम्हारे सामने बड़े-बड़े पहाड़ दिखते हों किंतु उनमें से रास्ता निकल आयेगा। पहाड़ों को हटना पड़ेगा अगर तुम्हारे में अटूट श्रद्धा है। विघ्नों को हट जाना पड़ेगा अगर तुम्हारा निश्चय पक्का है। डगमगाहट नहीं... 'हम नहीं कर सकते, अनाथ हैं, हम गरीब हैं, अनपढ़ हैं, कम पढ़े हैं, अयोग्य हैं... क्या करें?' अरे, तीसरी से भी कम पढ़े हो क्या? मन-इन्द्रियों में घूमनेवाले लोगों का संकल्प साधक के संकल्प के आगे क्या मायना रखता है! 'यह काम मुश्किल है, यह मुश्किल है...' मुश्किल कुछ नहीं है। जगतनियंता का सामर्थ्य तुम्हारे साथ है, परमात्मा तुम्हारे साथ है। मुश्किल को मुश्किल में डाल दो कि वह आये ही नहीं तुम्हारे पास! Nothing is impossible, everything is possible. असम्भव कुछ भी नहीं है, सब सम्भव है।

जा के मन में खटक है, वही अटक रहा। जा के मन में खटक नहीं, वा को अटक कहाँ॥

**विश्वासो फलदायकः।** इसलिए अपना विश्वास गलित नहीं करना चाहिए। अपने विश्वास में अश्रद्धा, अविश्वास का घुन नहीं लगाना चाहिए। 'क्या करें, हम नहीं कर सकते, हमारे से नहीं हो सकता है...' 'नहीं' कैसे? गोरखनाथजी जैसे योगियों के संकल्प से मिट्टी के पुतलों में प्राणों का संचार होकर सेना खड़ी होना यह भी तो अंतःकरण का संकल्प है! तो तुम्हारे पास अंतःकरण और परमात्मा उतने-का-उतना है। नहीं कैसे हो सकता? एक में एक मिलाने पर दुगनी नहीं ग्यारह गुनी शक्ति होती है। तीन एक मिलते हैं तो १११ हो जाता है, बल बढ़ जाता है। ऐसे ही दो-तीन-चार व्यक्ति संस्था में मजबूत होते हैं सजातीय विचार के, तो संस्था की कितनी शक्ति होती है! देश के बिखरे-बिखरे लोग १२५ करोड़ हैं परंतु मुट्ठीभर लोग एक पार्टी के झंडे के नीचे एक सिद्धांत पर आ जाते हैं तो १२५ करोड़ लोगों के अगुआ, मुखिया हो जाते हैं, हुकूमत चलाते हैं। एकदम सीधी बात है। साधक-साधक सजातीय विचार के हों, 'वह ऐसा, वह ऐसा...' नहीं। भगवान के रास्ते का, ईश्वर की तरफ ले जानेवाले रास्ते का स्वयं फायदा ले के लोगों तक भी वह पहुँचाना है तो एकत्र हो गये। वे बिल्कुल नासमझ हैं जो आपसी मतभेद के कारण व्यर्थ में ही एक-दूसरे की टाँग खींचकर सेवाकार्य में बाधा डालने का पाप करते हैं। कितने भी आपस में मतभेद हों लेकिन ईश्वरीय कार्य में, गुरु के कार्य में मतभेदों को आग लगाओ; आपका बल बढ़ जायेगा, शक्ति बढ़ जायेगी, समाजसेवा की क्षमताएँ बढ़ जायेंगी। ॐ... ॐ... ॐ...

# पूज्य बापूजी का स्वास्थ्य गम्भीर अवस्था में... पैरोल/ जमानत की माँग को लेकर निकाली रैलियाँ व सौंपे ज्ञापन

RNI No. 66693/97
RNP No. GAMC-1253-A/2024-2026
Issued by SSPO's-Ahmedabad City Dn.
Valid up-to 31-12-2026
WPP No. 02/24-26
(Issued by CPMG UK. valid up-to 31-12-2026)
Posting at Dehradun G.P.O. between 18th to 25th of every month.
Publishing on 15th of every month

विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री (छ.ग.)

भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री (राज.)

डॉ. भागवत कराड़, केन्द्रीय राज्यमंत्री

डॉ. कमल गुप्ता, मंत्री (हरि.)

सोम प्रकाश, केन्द्रीय राज्यमंत्री

डॉ. दिनेश शर्मा, पूर्व उपमुख्यमंत्री (उ.प्र.)

श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (म.प्र.)

रमेश बिधूड़ी, सांसद (द. दिल्ली)

जुगलकिशोर शर्मा, सांसद, जम्मू

हरिसिंह सप्रे, विधायक, कुरवाई, जि. विदिशा (म.प्र.)

हल्द्वानी (उत्तराखंड)

छिंदवाड़ा (म.प्र.)

मुंबई

राजनांदगाँव (छ.ग.)

नागपुर (महा.)

रायपुर (छ.ग.)

शिमला (हि.प्र.)

भुवनेश्वर

जबलपुर

अजमेर

बैतूल (म.प्र.)

बाड़मेर (राज.)

रायबरेली (उ.प्र.)

दमोह (म.प्र.)

सहारनपुर (उ.प्र.)

धमतरी (छ.ग.)

बारां (राज.)

कोटा (राज.)

अहमदाबाद

वलसाड (गुज.)

मेरठ (उ.प्र.)

गोंदिया (महा.)

वाराणसी (उ.प्र.)

गोरखपुर (उ.प्र.)

कवर्धा (छ.ग.)

पुणे (महा.)

फरीदाबाद

पानीपत (हरि.)

सागर (म.प्र.)

स्थानाभाव के कारण सभी तस्वीरें नहीं दे पा रहे हैं। अन्य अनेक तस्वीरों हेतु वेबसाइट www.ashram.org/seva देखें या स्कैन करें :

फोटो हेतु

विडियो हेतु

आश्रम के मासिक प्रकाशन की सदस्यता हेतु स्कैन करें :

लोक कल्याण सेतु

ऋषि प्रसाद

ऋषि दर्शन

स्वामी : संत श्री आशारामजी आश्रम प्रकाशक और मुद्रक : राकेशसिंह आर. चंदेल प्रकाशन-स्थल : संत श्री आशारामजी आश्रम, मोटेरा, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात) मुद्रण-स्थल : हरि ॐ मैन्युफेक्चरर्स, कुंजा मतरालियों, पौंटा साहिब, सिरमौर (हि.प्र.)-१७३०२५ सम्पादक : रणवीर सिंह चौधरी